सांध्य दैनिक 4PM

दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो।
–स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 129 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 15 जून, 2023

विश्व में नंबर एक गेंदबाज बने... 7 | नीतीश के दम पर भारी न पड़... 3 | यूपी में बिजली संकट से उबारने... 2

बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा बिपरजॉय

चक्रवात से निपटने की तैयारी पूरी

» कुछ घंटों बाद गुजरात के तट से टकराएगा

» 74 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

» 8 जिलों में रेड अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के आज शाम गुजरात के तट से टकराने की संभावना है, इसकी दिशा बदल गई है, ऐसे में गुजरात के लिए खतरा बढ़ा है। उसका असर तटीय इलाकों में दिखाई दे रहा वहां पर तेज बारिश शुरू हो गई है। पहले बिपरजॉय पाकिस्तान के समुद्री तट की तरफ बढ़ रहा था, लेकिन अब थोड़ा पूरब की ओर मुड़कर ये उत्तरी गुजरात तट की तरफ जा रहा है, साइक्लोन शाम को जखाऊ पोर्ट के पास तट से टकराएगा। उस समय समुद्री हवाओं की रफ्तार 125 से 135 किलोमीटर से लेकर 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। अभी तट से इसकी दूरी लगभग 180 किलोमीटर दूर है। नौ राज्यो में इस तूफान से निपटने की तैयारी पूरी की ली गई है।

गुजरात के कच्छ से अब तक करीब 74 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 9 कस्बे पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं, हजारों लोगों को शेल्टर होम में रखा गया है,तूफान से सबसे अधिक कच्छ के प्रभावित होने की संभावना है। लोग समंदर से दूर जा रहे हैं, यहां तेज हवाओं के साथ भारी बारिश भी हो रही है।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की 30 टीमें तैनात

एनडीआरएफ की 19 टीमों को तैनात किया गया है। कुल मिला कर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 30 टीमें तैनात की गई हैं। बीएसएफ भी आने वाले वक्त की चुनौती के लिए तैयार है। यह तूफान गुजरात होते हुए राजस्थान की ओर बढ़ेगा। पश्चिमी रेलवे ने करीब 95 ट्रेनें रद्द की हैं। स्कूल बंद कर दिए गए हैं। तेल उत्खनन के सभी कुएं और बंदरगाह बंद कर दिए गए हैं। आकाशवाणी ने अपने टावर को हटा लिया है।

शाह ने तेलंगाना का दौरा किया रद्द

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को तेलंगाना का दौरा रद्द कर दिया है। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर तेलंगाना में उनका कार्यक्रम होने वाला था। अमित शाह की तीन सभाएं होने वाली थी, गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह गृह मंत्रालय में ही मौजूद रह कर तूफान के हालात पर नजर रखेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेना प्रमुखों से बात की और चक्रवात बिपारजॉय के प्रभाव से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा की। तैयारियों की समीक्षा करने के बाद सिंह ने कहा कि सशस्त्र बल चक्रवात के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने में हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

राजस्थान में भी व्यवस्था चाक-चौबंद

राजस्थान की मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा है कि राजस्थान सरकार बिपरजॉय चक्रवाती तूफान से बचाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि किसी भी हालात से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एस डी आर एफ) की 17 टीम नियुक्त की गई हैं और 30 टीम को तैयार रहने को कहा गया है, जहां कहीं भी इसकी जरूरत होगी, वहां इन्हें भेजा जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कच्छ जिले के सरकारी अस्पतालों, ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पतालों और क्षेत्र के अन्य अस्पतालों में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर आदि की उपलब्धता की भी समीक्षा की।

बृजभूषण को पॉक्सो मामले में क्लीन चिट, खिलाड़ी और किसान नाराज

» राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची पुलिस, 22 को भी जिरह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को पॉक्सो केस में बड़ी राहत मिली है, जबकि यौन उत्पीड़न के आरोपों में दिल्ली पुलिस ने एक हजार पन्नों की चार्जशीट पटियाला हाउस कोर्ट में दाखिल की है। चार्जशीट पर दीपक कुमार की एसीएमएम कोर्ट 22 जून को सुनवाई करेगी। उधर खबर है कि पुलिस से खिलाड़ी व किसान नाराज हो गए हैं।

पॉक्सो मामले में 4 जुलाई को सुनवाई

दिल्ली पुलिस ने आज बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 1000 पन्नों की चार्जशीट लेकर कोर्ट पहुंची है। इस बीत पॉक्सो मामले पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में कोई पुख्ता सबूत नहीं है। पुलिस ने बृजभूष पर पॉक्सो केस वापस लेने की अर्जी भी लगाई है। वकील ने बताया कि फाइनल रिपोर्ट कोर्ट में फाइल की गई है। पॉक्सो मामले में 4 जुलाई को सुनवाई होगी।

कैंसिलेशन चार्जशीट भी सौंपा

पुलिस ने 550 पेज की कैंसिलेशन चार्जशीट भी दाखिल किया है। दिल्ली पुलिस ने बीजेपी सांसद के खिलाफ 7 पहलवानों के लगाए यौन उत्पीड़न मामले में दो अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। एक चार्जशीट 6 अन्य महिला पहलवानों के आरोप पर रॉउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई है जबकि नाबालिग महिला पहलवानों की शिकायत को लेकर पटियाला हाउस कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। नाबालिक पहलवान केस में बृजभूषण को क्लीनचिट दी है।

पॉक्सो की धारा के तहत दर्ज दूसरे मामले में पुलिस फाइनल रिपोर्ट ही दाखिल करेगी। यानी इस केस को पुलिस ने बंद करने का निर्णय लिया है। दिल्ली पुलिस के विशेष लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने रिपोर्ट दाखिल की है। उन्होंने ने कहा कि हमने पास्को मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है। दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता ने बताया कि पहलवानों द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में जांच पूरी होने के बाद हम आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354ए, 354डी के तहत और आरोपी विनोद तोमर के खिलाफ आईपीसी की धारा 109/354/354ए/506 के तहत आरोप पत्र दायर की।

नीतीश कुमार की सुरक्षा में चूक बाइकरों से टक्कर होते-होते बची

» पुलिस ने बाइक सवारों को लिया हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा में गुरुवार को बड़ी चूक हुई। मॉर्निंग वॉक के दौरान स्टंट करते बाइकर सीएम की सुरक्षा घेरा के अंदर घुस गए। नीतीश कुमार को खुद को बाइकर से बचाने के लिए सड़क से फुटपाथ की ओर जाना पड़ा। सुरक्षा के बीच अचानक आए बाइकर से वहां थोड़ी देर के लिए सभी हैरान रह गए। इस दौरान पुलिस के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे।

पुलिस इन बाइकरों को पकड़कर पूछताछ कर रही है। पटना एसएसपी सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर हैं।

यूपी में बिजली संकट से उबारने को योगी सरकार ने कुछ नहीं किया : अखिलेश

» सिर्फ कागजों पर बन रहे बिजली घर, जनता गर्मी में बिजली संकट से परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली का महंगा बिल भरने के बाद भी लोग गर्मी में उबल रहे हैं। योगी सरकार कागजों पर बड़े-बड़े बिजलीघर बना रही है और आमजन तरस रहा है। लोगों की परेशानियों से बेखबर भाजपा के नेता टिफिन खाने का नाटक कर रहे हैं। भाजपा सरकार छह साल से सत्ता में है, पर भाजपा ने बिजली संकट से उबारने के लिए कुछ नहीं किया।

अखिलेश ने कहा कि रोजाना ओवरलोडिंग के कारण ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। लखनऊ तक में बिजली संकट है। जनता के दुख-दर्द से भाजपा का कोई रिश्ता नहीं है, इसलिए भाजपा की 6 साल की सरकार में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। समाजवादी सरकार में नई सौर ऊर्जा नीति की घोषणा के अतिरिक्त सोलर पॉवर प्लांट भी स्थापित किए गए थे।

अघोषित कटौती से नाराज कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

गर्मी के मौसम में अघोषित बिजली कटौती व फसल तैयारी के समय सूखी पड़ी नहरों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल की अगुवाई में पदाधिकारी व कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन पर उतरे आए। कार्यकर्ताओं ने शहर स्थित केंद्रीय कार्यालय में बैठक करने के बाद केंद्र व प्रदेश सरकार के जनविरोधी नीतियों से आम नागरिकों को हो रही परेशानी से निजात दिलाने की रणनीति तैयार की। बैठक के बाद जुलूस की शक्ल में निकले कार्यकर्ता केंद्र व प्रदेश सरकार के विरोध नारे-बाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शन की सूचना पर पहुंचे एसडीएम राकेश कुमार को राज्यपाल संबोधित ज्ञापन दिया।

अलोकतांत्रिक कार्रवाई कर रही केन्द्र सरकार : प्रमोद तिवारी

» कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने मोदी सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए बोला कि वह अलोकतांत्रित तरीके से कार्रवाई कर रही है। ट्विटर के सह संस्थापक रहे जैक डोर्सी ने अपने साक्षात्कार में भारत समेत दुनिया के दो- तीन अन्य राष्ट्रों द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी पर लगातार कुठाराघात के कड़वे सच का बयान किया है।

यह कड़वी सच्चाई एक साल से अधिक चले किसान आंदोलन को दबाने की मोदी सरकार की पैंतरेबाजी को बेनकाब करती है। भाजपा सरकार ने सिर्फ एक पूंजीपति का हित साधने की जिद में लम्बे समय तक चले किसान आंदोलन में साढ़े सात सौ से अधिक अन्नदाताओं की भी परवाह नही की। वह किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारण्टी का कानून देने से कतरा रही है।

मोदी हैं तो मुश्किल नहीं : वसुंधरा

» 24 में मोदी को हैट्रिक लगाने से कोई नहीं रोक सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा है कि मोदी सरकार के 9 साल में हुए कामों को लोगों तक पहुंचाएं, उन्हें बताएं कि मोदी है तो मुश्किल नहीं और कांग्रेस है तो मुमकिन नहीं। राजे झारखंड के दुमका लोकसभा क्षेत्र के कैरावनी कस्बे में पार्टी के महाजन संपर्क अभियान को संबोधित कर रहीं थी। इससे पहले वसुंधरा राजे ने देवघर में प्रेस वार्ता भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की है। पहले अखबारों में बम ब्लास्ट की हेडलाइन से मन आहत होता था। आज शांति और समृद्धि की खबरें मन खुश होता है। बड़े-बड़े देश में पीएम मोदी की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं।

उनकी सोच है कि रोजगार मांगने वाले नहीं रोजगार देने वाले बनो।

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में मोदीजी का 22 वर्ष का कार्यकाल इतिहास में गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इन 9 वर्षों में पीएम मोदी की छवि ग्लोबल लीडर के रूप में मजबूत हुई है। वसुंधरा राजे ने कहा कि पीएम मोदी कार्यकाल में अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरू हुआ है। देश में ही नहीं भारत निर्मित वैक्सीन दुनिया में भी पहुंचाई गई। मोदी जी देश में गेमचेंजर बने। इसलिए अब 2024 में उनको हैट्रिक लगाने से कोई नहीं रोक सकता। झारखंड में 3 लाख से अधिक सरकारी पद खाली हैं, लेकिन युवाओं को रोजगार नहीं है।

तेजी से काम कीजिए कभी भी हो सकता है चुनाव : नीतीश

अधिकारियों और मंत्रियों को दिए निर्देश

» पहले सौ फीसदी राशि केंद्र सरकार देती थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्षी एकता को लेकर लगातार मुहिम चला रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लग रहा है कि लोकसभा चुनाव कभी भी हो सकता है। इसलिए उन्होंने अपने अधिकारियों और मंत्रियों को जल्द से जल्द काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने पटनिया अंदाज में मोदी सरकार पर भी निशाना साधा। नीतीश कुमार ने कहा कि कौन जाने कब चुनाव होगा। अगले ही साल हो या कब होगा, इसका कोई ठिकाना नहीं है।

हम तो शुरू से ही कह रहे हैं और जल्दी कीजिए। जितना जल्दी करवा दीजिएगा उतना अच्छा है। समझ गए न...। काहे कि कौन चीज है, कब चुनव्वा होगा कोई जानता है जी। कोई जानता है कि अगले ही साल चुनाव होगा। कोई ठिकाना है कि पहले ही चुनाव हो जाए। इसलिए जरा तेजी काम कीजिए समझ गए न। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2000 में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम योजना शुरू की थी। इसके तहत 100 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती थी। अभी जो लोग केंद्र सरकार में हैं उन्होंने वर्ष 2015 में इसे 60 प्रतिशत 40 कर दिया।

कैबिनेट का कल विस्तार, जदयू से रत्नेश सदा होंगे मंत्री

बिहार में नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार 16 जून को किया जाएगा। 16 जून की सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। जनता दल यूनाइटेड कोटे से रत्नेश सदा मंत्री पद की शपथ लेंगे। इसे लेकर रा'यपाल सचिवालय, बिहार की ओर से एक पत्र भी जारी किया गया है। अबतक राजद और कांग्रेस के नाम सामने नहीं आए हैं, जिसके कारण कांग्रेस की नाराजगी किसी भी रूप में कभी भी सामने आ सकती है।

कांग्रेस दो पद मांग रही, राजद के दो खाली पड़े हैं

मंत्रिमंडल विस्तार की बात कई बार उठकर दब चुकी है, लेकिन इस बार जब जनता दल यूनाइटेड के खाते से हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा (हम) के इकलौते मंत्री संतोष कुमार सुमन उर्फ संतोष मांझी ने इस्तीफा दिया तो जदयू ने आपदा प्रबंधन के तहत न केवल मंत्रीपद के लिए नाम फाइनल किया। इस चिट्ठी के जारी होते ही एक बार फिर कांग्रेस के अंदर कुलबुलाहट है, क्योंकि वह लंबे समय से दो मंत्रीपद की मांग कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बीच इस बात पर आमने-सामने की नोकझोंक तो नहीं हुई, लेकिन पीछे कुछ होने के लिए बचा भी नहीं है।

बैकडोर से दिल्ली की सरकार चलाना चाहते हैं प्रधानमंत्री मोदी : सीएम केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र के अध्यादेश पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि इस अध्यादेश का एक लाइन में मतलब है कि अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी होंगे और वे ही सभी फैसले लेंगे। अध्यादेश के कई प्रावधानों के कारण दिल्ली की चुनी हुई सरकार का कोई मतलब नहीं रह गया है। यह अध्यादेश सुप्रीम कोर्ट के आदेश और दिल्ली सरकार के अधिकारों को कुचलने वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अध्यादेश के माध्यम से मुख्य सचिव को कैबिनेट का निर्णय सही या गलत तय करने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा मंत्री का आदेश कानूनी रूप से गलत लगने पर सचिव उसे मानने से इन्कार कर सकता है। दुनिया में पहली बार हो रहा है कि सचिव को मंत्री का बॉस बना दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि अध्यादेश में तीन ऐसे प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिससे दिल्ली सरकार पूरी तरह से खत्म हो जाती है।

आप को मिला सीपीआई का भी साथ

केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ अब आप को सीपीआई का भी साथ मिल गया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुलाकात के बाद सीपीआई के महासचिव डी राजा ने अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली की जनता का साथ देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद में अध्यादेश का पुरजोर विरोध करेगी।

केजरीवाल का राजनीतिक रंग उजागर : सचदेवा

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सच्ची विचारधारा और राजनीतिक रंग उजागर हो गया है। उनका सीपीआई कार्यालय में पहुंचने से यह साफ हो गया है कि वे मानसिक तौर पर कम्युनिस्ट हैं और अपनी पार्टी बनाने से पहले सीपीआई से सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। पिछले एक दशक से

उनकी अराजक कार्यशैली को देखकर भाजपा ने नवसली अराजकतावादी कहा, जो सच साबित हुआ है। कम्युनिस्ट स्वभाव और मानसिक लालन-पालन वाले अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की राजनीतिक स्थिति का विश्लेषण किया और यह समझा कि अगर वह कम्युनिस्ट के रूप में खड़े हुए तो दिल्ली की जनता उन्हें कभी वोट नहीं देगी। इसलिए उन्होंने आम आदमी पार्टी का गठन किया। यह भी तथ्य है कि उनके पार्टी के नेता संजय सिंह, गोपाल राय, मनीष सिसोदिया, अतिशी सभी वामपंथी झुकाव वाले साथी हैं।

नीतीश के दम पर भारी न पड़ जाए हम!

महागठबंधन से बाहर हो गए जीतन राम

» जदयू ने कहा कोई असर नही पड़ेगा

» भाजपा बोली नीतीश से संभल नहीं रहे साथी

» चिराग खोले बैठे हैं नीतीश के खिलाफ मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार मोदी का रथ बिहार में रोकने के प्रयास में लगे हुए। पर उनकी मेहनत पर जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (हम) ने अंकुश लगाने की कोशिश कर दी है, उन्होंने उनसे किनारा कर लिया है। वह भाजपा के करीब जा रहे हैं। हालांकि विशलेषक मानते हैं कि इसका बहुत ज्यादा असर नहीं होगा। जदयू जहां कह रही इससे महागठबंधन पर कोई असर नही पड़ेगा वहीं भाजपा नीतीश पर तंज कस रही है अभी यह हाल है तो आगे क्या होगा। मांझी के अलावा बड़े दलित नेताओं चिराग पासवाव व मुकेश सहनी भी महागठबंधन को नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगे है पर वह कितना कामयाब होंगे 24-25 के परिणाम बताएंगे।

भारतीय जनता पार्टी को अगड़ों की पार्टी कहा जाता है, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में समीकरण काफी बदला है। दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादवों को एकजुट करने के लिए जाने जाते हैं तो जनता दल यूनाईटेड के सर्वेसर्वा नीतीश कुमार कुर्मी-कोइरी को राजनीतिक ताकत दिलाने के लिए। ऐसे में, लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान, जदयू से अनुसूचित-जनजाति का चेहरा लेकर निकले पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी और सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी की तिकड़ी जिसके साथ हो, उसके लिए 2024-25 के चुनावों में राहत होगी। विपक्षी दलों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में जुटा रहे हैं। इस बीच यह तीनों ही एनडीए से बाहर रहते हुए ही महागठबंधन के लिए मुसीबत बनते दिख रहे हैं। इन्हें एनडीए किस तरह स्वीकारती-संभालती और भुनाती है, यह मायने रखेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान जैसा जख्म किसी ने नहीं दिया। विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी जदयू चिराग पासवान के कारण ही बनी। राजद ने उसे जितनी चोट नहीं दी, उतनी चिराग ने दी। भाजपा का साथ छोड़ राजद के साथ वापस लौटने की उनकी एक वजह चिराग भी थे। सबसे बड़ी वजह कहें तो भी गलत नहीं होगा। भाजपा ने अपनी बात पर कायम रहते हुए चिराग को अबतक इज्जत नहीं लौटाई, फिर भी जमीनी स्तर पर देखें तो नीतीश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलने वालों में वह भाजपा के भी नेताओं को पीछे छोड़े हुए हैं। पटना लगातार आ रहे हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हर बात का जवाब दे रहे हैं। नीतीश भले ही उनका नाम नहीं लेना चाहें, लेकिन कई बार दिवंगत रामविलास पासवान से नजदीकियां जताते हुए चिराग का नाम लिए बगैर उनपर कटाक्ष कर चुके हैं। मतलब, मायने तो रख रहे चिराग। अब बारी भाजपा की है। नीतीश से दूर हुए समय बीत गया है और चुनाव अब सामने है। भाजपा अगर चिराग का सम्मान लौटाती है तो उसे रामविलास पासवान के नाम का वोट मिल सकता है।

जीतनराम मांझी की पार्टी भी उठाएगी फायदा

जीतनराम मांझी के बेटे संतोष सुमन उर्फ संतोष मांझी एमएलसी हैं। मई 2024 तक बने रहेंगे। जब एमएलसी बनाना था, तभी जदयू ने शर्त रखी थी कि हम का विलय करा दिया जाए। तब भी बात नहीं बनी और अब बात बिगड़ी भी तो इसकी मुख्य वजह पार्टी का अस्तित्व ही है। पार्टी का अस्तित्व इसलिए भी, क्योंकि जदयू से निकलते समय जीतन राम मांझी ने अनुसूचित जाति-जनजाति के नेताओं को अपने साथ रख लिया था। मतलब, जदयू से माइनस करने का प्रयास भी कह सकते हैं। इसके बाद जब नीतीश मंत्रिमंडल में संतोष मांझी मंत्री बने तो अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण का विभाग भी लिया। मतलब, फोकस में अनुसूचित जाति-जनजाति थी और है भी। मांझी पहले भी एनडीए का हिस्सा रहे हैं। तब दिवंगत रामविलास पासवान और जीतनराम मांझी के बीच अंदर-अंदर अनुसूचित जाति-जनजाति की बात पर ही टकराव था। अब चिराग से यह टकराव शायद नहीं हो और अगर ऐसी बात दिखे भी तो भाजपा को रास्ता निकालते चलना होगा। मांझी को पांच सीटें भले नहीं मिले, लेकिन भाजपा अनुसूचित जाति-जनजाति के चिराग से खाली बच रहे हिस्से को समेटने के लिए हम को इज्जत बख्शेगी, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

मांझी के विकल्प पर नीतीश करेंगे माथा-पच्ची

बिहार की नीतीश कुमार सरकार को अनुसूचित जाति-जनजाति मंत्री संतोष सुमन उर्फ संतोष मांझी के इस्तीफे के बाद अब महागठबंधन सरकार के लिए दलित मैनेजमेंट जरूरी हो गया है। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार अब क्राइसिस मैनेजमेंट के तहत किसी दलित टाइटल वाले को मंत्री बनाकर ही मैसेज देना विकल्प है। ऐसा इसलिए भी, क्योंकि चिराग पासवान पहले से नीतीश कुमार के खिलाफ हैं और मुकेश सहनी को भी महागठबंधन से बहुत वास्ता रखते नहीं देखा जा रहा है। हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के इकलौते मंत्री के कैबिनेट से इस्तीफे के साथ ही यह मजबूरी दिखने लगी है। मंगलवार को जीतन राम मांझी के बेटे के इस्तीफे के साथ महागठबंधन में ऐसे नामों पर विचार शुरू हो गया है।

मुकेश सहनी भी कर रहे तैयारी

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक और सन ऑफ मल्लाह के रूप में प्रसिद्ध मुकेश सहनी भाजपा से धोखा खाकर बैठे हैं, लेकिन मायने यह रखता है कि वह किनारे पड़े हुए हैं। न तो महागठबंधन सरकार ने दुश्मन (भाजपा) के दुश्मन (वीआईपी) को अपने साथ रखा और न घावों पर मरहम ही लगाया। इधर, मुकेश सहनी भी शांति के साथ वक्त का इंतजार करते हुए यह संकेत देते रहे हैं कि उनका विकल्प खुला है। मतलब, वह भाजपा से मिले घाव को भूल सकते हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय उन्हें सीटें तो दी थीं, लेकिन उम्मीदवार अपने कैडर से दिए थे। इसके अलावा सहनी को एमएलसी की सीट भी ऐसी दी थी कि बीच में निकले तो मझधार में डूबेंगे। यही हुआ भी। भाजपा ने बाद में वीआईपी के विधायकों का विलय करा लिया और जब सहनी ज्यादा आगे-आगे करने लगे तो उनकी एमएलसी सीट को कायम रखने की जगह खत्म होने दिया। अब सहनी महागठबंधन के भी टारगेट में होंगे और भाजपा भी चाहेगी कि बिना शर्त आएं तो आ जाएं। अगर सहनी भाजपा में आए तो गैर-सवर्ण जातियों की गोलबंदी में किरदार होंगे।

किसी दलित नेता को जदयू को बढ़ाना होगा

नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड (जदयू) को छोड़कर जीतन राम मांझी ने हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा (हम) पार्टी बनाई थी। मांझी भले ही जदयू से अलग हुए, लेकिन पार्टी ने उन्हें अपने ही कोटे का माना। ठीक उसी तरह जैसे विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को भाजपा ने अपने कोटे का माना। चुनाव के दौरान सीटों के बंटवारे में भी यही फॉर्मूला रहा। फिर मंत्रिमंडल गठन में भी। यहां तक कि एमएलसी की जिस सीट पर मई 2024 तक संतोष सुमन उर्फ संतोष मांझी कायम रहेंगे, वह भी जदयू कोटे से है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संतोष मांझी को अक्सर साथ भी रखते थे, खासकर दलित प्रभाव वाले क्षेत्रों में जाते समय। ऐसे में अब संतोष मांझी के मंत्रिमंडल से इस्तीफे के बाद जदयू को अपने कोटे से ही एक मंत्री रखना होगा और वह भी दलित। संतोष मांझी का मंत्रीपद भी जदयू के कोटे का ही था, इसलिए उनकी जगह किसी को मंत्री बनाने में तकनीकी रूप से राजद के साथ कोई मतभेद भी होना संभव नहीं है।

कांग्रेस की भी मुराद होगी पूरी

23 जून को बिहार में विपक्षी दलों की बैठक है। इस बैठक में कांग्रेस को बुलाने के लिए जदयू को वह भी करना पड़ा, जो पार्टी में कोई नहीं चाहता था। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को आगे किए बगैर यह संभव नहीं हो सका। ऐसे में कांग्रेस अगर यह चाहे कि उसकी दो और मंत्री पदों की मांग इसी झटके में पूरी हो जाए तो आश्चर्य नहीं। महागठबंधन सरकार बनते समय कांग्रेस में इसके लिए बवाल नहीं था, लेकिन अखिलेश प्रसाद सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष बनते के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दो और मंत्री पद के लिए मना लिया था। उस समय राजद के युवराज तेजस्वी यादव ने इस संभावना से इनकार किया तो मुख्यमंत्री ने भी कह दिया कि जदयू का इससे कोई वास्ता नहीं है, राजद-कांग्रेस मिलकर तय कर ले।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रोहित की कप्तानी पर खतरा !

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत की हार के बाद रोहित शर्मा आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। हालांकि वह वेस्टइंडीज में दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। पर चर्चा है कि वह वनडे विश्वकप में टीम से बाहर किए जा सकते हैं। पिछले कुछ सालों से रोहित अपने फार्म में नहीं चल रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत का प्रदर्शन भी शर्मनाक रहा है। अब विंडीज के खिलाफ मैचों में रोहित को अपनी नेतृत्व क्षमता को दिखाना होगा ताकि आने वाले बड़े मैचों में उनकी सहभागिकता टीम में बरकरार रहे। ऐसा माना जा रहा है कि इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के लिए नए कप्तान को लेकर बीसीसीआई बैठक कर सकता है। भारतीय टीम हाल ही में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हारी है। इस मुकाबले में भारतीय टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से लगातार भारतीय टीम पर कई सवाल खड़े किए जा रहे है।

इसी बीच संभावना जताई जा रही है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक रोहित शर्मा की टेस्ट कप्तानी को हाल में कोई खतरा नहीं है। मगर कप्तानी को बचाए रखने के लिए रोहित शर्मा को कप्तान के तौर पर वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना होगा। रोहित शर्मा वेस्टइंडीज में दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। जानकारी के मुताबिक रोहित शर्मा अगर 12 जुलाई से डोमीनिका में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की श्रृंखला में कप्तानी से स्वयं हटने का फैसला नहीं करते हैं तो वह टीम की अगुआई करेंगे। हालांकि इस सीरीज में रोहित शर्मा को बड़ी पारी खेलनी होगी। अगर इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चलेगा तो उन पर काफी परेशानियां हो सकती हैं। रोहित हालांकि डोमीनिका या पोर्ट ऑफ स्पेन में होने वाले दूसरे टेस्ट (20 से 24 जुलाई) में अगर कोई बड़ी पारी नहीं खेलते हैं तो बीसीसीआई के आला अधिकारियों और राष्ट्रीय चयन समिति पर कड़ा फैसला करने का दबाव होगा। बीसीसीआई एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''ये निराधार बातें हैं कि रोहित को कप्तानी से हटा दिया जाएगा। हां, क्या वह पूरे दो साल के डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) चक्र में बरकरार रहेगा, यह एक बड़ा सवाल है क्योंकि 2025 में तीसरा चक्र समाप्त होने पर वह लगभग 38 वर्ष का होगा। फिलहाल शिव सुंदर दास और उनके सहयोगियों को दो टेस्ट के बाद और उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए फैसला करना होगा। असल में बीसीसीआई अन्य खेल बोर्ड से बहुत अलग तरीके से काम करता है। भारतीय बोर्ड में शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि जब आलोचना चरम पर पहुंच जाती है तो ऐसे फैसले नहीं लेते।

“ पिछले कुछ सालों से रोहित अपने फार्म में नहीं चल रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत का प्रदर्शन भी शर्मनाक रहा है। अब विंडीज के खिलाफ मैचों में रोहित को अपनी नेतृत्व क्षमता को दिखाना होगा ताकि आने वाले बड़े मैचों में उनकी सहभागिकता टीम में बरकरार रहे। ऐसा माना जा रहा है कि इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के लिए नए कप्तान को लेकर बीसीसीआई बैठक कर सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियासी टकराव के बीच खतरे में लोकतंत्र

केएस तोमर

मौजूदा हालात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके भाई पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अब पूर्व पीएम इमरान खान से निपटने का मन बना चुके हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इमरान खान द्वारा की गई भारतीय मीडिया की प्रशंसा के बारे में लोगों को बताया जा रहा है। शरीफ बंधु गत 9 मई की घटनाओं को 9/11 के बराबर सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि इमरान खान का राजनीतिक जीवन समाप्त हो जाए और उनकी जान भी खतरे में पड़ जाए। दरअसल, पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार हामिद मीर ने भारत कार्ड की समीक्षा की है।

उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में पाकिस्तान निर्माता मुहम्मद अली जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना को अयूब खान ने भारत का एजेंट करार दिया था और फिर शेख मुजीब उर रहमान को जनरल याहया खान ने भारतीय एजेंट बताया था। इसी तर्ज पर जनरल जिया उल हक और नवाज शरीफ ने बेनजीर भुट्टो को भी भारत का एजेंट बताया था। अब नये घटनाक्रम में किये जा रहे दुष्प्रचार के कारण पाकिस्तान तहरीके इन्साफ पार्टी के कार्यकर्ता हतोत्साहित हो रहे हैं और कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। इस बात को सिद्ध करने के लिए पाकिस्तानी हुक्मरानों ने भारतीय सेना के मेजर जनरल (रिटा.) गौरव आर्य के ट्वीट का हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि इमरान खान भारत को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी प्रकार पाकिस्तान के टीवी चैनल पर भारत के एक पत्रकार सुशांत सरीन के गत दिनों के एक वीडियो क्लिप को दिखाया गया जिसमें सरीन का कथानक था कि इमरान खान उनका स्वप्न हैं क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। अब पाकिस्तान सरकार पूर्व प्रधानमंत्री को भारत का नया एजेंट बता रही है। दरअसल सेना की साख दांव पर है जिसे बचाने के लिए वह कोई भी कदम उठाने को तैयार है। पाकिस्तान में संविधान की धारा 245 की आड़ में पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और राजधानी इस्लामाबाद में उपद्रवियों पर नियंत्रण के लिए सेना को बुलाया गया था।

स्मरण रहे कि 1947 के बाद तीन बार 1958 से 1971, 1977 से 1988 और 1999 से 2008 के मध्य सेना ने तख्ता पलट कर सत्ता पर कब्जा किया था। पाकिस्तान में हालात बिगड़ने पर आंतरिक अस्थिरता और विदेश नीति को बहाना बना कर सेना पाकिस्तान पर राज करती रही और स्वयं को लोगों के समक्ष देश बचाने वाला घोषित करती रही है। ऐसे माहौल में लोगों का

सरकार पर विश्वास डांवांडोल है और इमरान खान द्वारा सत्ता को दी गई चुनौती से अस्थिरता है जिसका लाभ उठाने को सेना राजनीतिक हस्तक्षेप कर रही है। इमरान खान के सेना से टकराव का मुख्य कारण सेना के वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियां और तबादले सेनाध्यक्ष के ही कहने पर ही किए जाना था। पूर्व प्रधानमंत्री के ही कारण मौजूदा सेनाध्यक्ष मुनीर को आईएसआई प्रमुख के पद से हटाया गया था और इस कारण इमरान खान और तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा के मध्य दूरियां बन गई थीं। अब सेना से टकराव इमरान खान के राजनीतिक ताबूत की अंतिम कील बन सकती है क्योंकि उनके समर्थकों ने सीधे-सीधे सेना पर हमला बोला था और सेना इसे किसी भी हालत में स्वीकार करने और माफ़ करने को तैयार नहीं है। तभी सेना प्रमुख ने फैसला लिया था कि उपद्रवियों पर सेना के कानूनों के अनुसार मुक़दमें चलाये जाएंगे जिसका अर्थ है न तो न्यायालय और न ही उच्चतम न्यायालय इसमें दखल दे सकेगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार के उच्चतम न्यायालय व इमरान खान समर्थक राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से उपजे विवादों के कारण भी पाकिस्तान के हालात अस्थिरता की ओर अग्रसर रहे हैं और लोकतंत्र खतरे में है। बीते दिनों शरीफ सरकार ने खुले तौर पर मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंडल की निंदा करते हुए संसद में एक प्रस्ताव पारित कर उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की शक्तियां समाप्त कर दी थीं और न्यायालय के आदेशों को मानने से इनकार करते हुए बंडल को इमरान खान समर्थक घोषित कर दिया था। इसी घटनाक्रम में राष्ट्रपति अल्वी ने संसद द्वारा पारित प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया और इमरान खान से सहानुभूति व्यक्त की थी।

बता दें कि पाकिस्तान में भी आर्थिक हालात लगभग श्रीलंका जैसे बन सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि राजनीतिक अस्थिरता के चलते पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और निकट भविष्य में सारा ढांचा ध्वस्त हो सकता है। विश्व बैंक भी 1.1 अरब डॉलर का ऋण जारी करने से कतराता रहा और देश पर कई सख्त शर्तें लागू करने का दबाव बना रहा है। पाकिस्तान का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व घट कर मात्र 4.3 अरब डॉलर रह गया जो 2014 के बाद न्यूनतम है।

शहरी जीवन बचाएंगे गांव के रोजगार

सुबीर रॉय

जिस कदर शहरों में आबादी बढ़ती जा रही है और परिणामस्वरूप मौजूदा शहरों की रिहायशी क्षमता फटने के कगार पर है, उसके समाधान हेतु सरकार लगभग आधा दर्जन नए शहर बनाने पर विचार कर रही है। इस प्रक्रिया की शुरुआत तब हुई जब 15वें वित्तीय कमीशन ने 8 नए शहर बनाने के लिए 8000 करोड़ रुपये अलग रखे और राज्यों की ओर से 26 प्रस्ताव मिले। चूंकि प्रस्तावों का आकलन जारी है, सरकार के लिए यह जरूरी हो जाता है कि आगे शहरीकरण कैसा हो इसको लेकर विचार सुसपष्ट हो। इस पर एक बृहद दृष्टिकोण, क्या करना है और क्या नहीं करना है, इस समझ की जरूरत है। मुख्य ध्येय यह होना चाहिए कि जो राह चुनी जाए वह सबसे किफायती हो एवं लगाए धन से अधिकतम फायदा हो। इस प्राप्ति के लिए, नयी खोज से न्यूनतम मूल्य वाले समाधान देने होंगे। उद्देश्य केवल नए शहर बनाना नहीं अपितु बेहतर और बड़ी शहरी क्षमता बनाना होना चाहिए।

रोचक रहेगा, यदि अलग हटकर सोचे गए उपायों के ध्यान का केंद्र एक और भीड़-भाड़ वाला शहर न पैदा करके छोटे एवं अपेक्षाकृत कम भीड़ वाले शहरी क्षेत्र बनाने पर हो। उद्देश्य एवं प्रयास यह हो कि नए वैकल्पिक शहर लोगों को अपनी ओर खींचें और उन्हें इन छोटे शहरों में रहना अधिक फायदेमंद लगे, जहां रोजमर्रा के अन्य खर्च कम हों। इससे बड़े शहरों पर आबादी का मौजूदा दबाव घटेगा। उदाहरणार्थ, बेंगलुरु में भीड़-भाड़ घटाने के लिए मैसूर में क्षमता बढ़ाई जाए। बड़े शहरों में आबादी घनत्व घटाने का एक अन्य किफायती हल यह हो सकता है कि बजाय यह देखना कि समस्या कहां सबसे विकट है (शहर का केंद्र), शहर की परिधि से लगते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। क्रियान्वयन योजना बनाते वक्त ध्येय अतिरिक्त शहरी क्षेत्र क्षमता बनाने का हो। नगर के केंद्र में उपायों पर लागत से कहीं कम में परिधि इलाके की नागरिक सुविधा क्षमता में विकास हो जाएगा। बेंगलुरु के एमजी मार्ग पर भीड़-भड़क्का कम करने के लिए व्हाइट फील्ड इलाके को विकसित किया जाए ताकि लोगों को खरीदारी के लिए एमजी मार्ग आने की जरूरत न रहे।

जिस तरह से वक्त के साथ हमारे शहरों का विस्तार हुआ है, परिधि के नगर निकाय एक तरह से मुख्य शहर का हिस्सा हैं। लेकिन वहां उपलब्ध सुविधाएं घटिया हैं, जिसकी वजह से बाशिंदों को बेहतर काम, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा के लिए मुख्य नगर आना पड़ता है। कहने को यह इलाके शहरी विस्तार का हिस्सा हैं किंतु नागरिक सुविधाएं कमतर हैं, क्योंकि इन नगरीय निकायों को बजटीय राशि कम मिलती है। इसलिए यह मांग बढ़ रही है कि वहां की प्राथमिक सुविधाएं जैसे कि पेयजल एवं सीवरेज सिस्टम में सुधार हो, कम से कम उस स्तर की, जो मुख्य शहर का नगर निगम मुहैया करवाता है। इन मांगों की पूर्ति के लिए, परिधि नगर निकायों को मुख्य नगर निगम से मिला दिया जाए और नाम में 'बृहन' जैसा शब्द जोड़ सकते हैं। लेकिन जब नगर निगम इन नए इलाकों में सुविधाओं के लिए योजना बनाने बैठते हैं तो पाते हैं कि एक तो तंग गलियां, तिस पर पेय-जल की पाइपें नदारद और बरसाती पानी निकास-व्यवस्था शोचनीय है, जिससे मानसून में बाढ़ जैसी स्थिति और मच्छरों के प्रकोप से मलेरिया इत्यादि बीमारियां बनती हैं।

इसका हल शहरों के साथ मौजूदा ग्रामीण इलाकों में नए उप-नगर बसाने में है, जो आगे चलकर मुख्य नगर का हिस्सा बन जाएंगे। लेकिन यह रूपांतर भूमि उपयोग पर नियोजित कार्य योजना के मुताबिक होना चाहिए। जो कुछ बेंगलुरु में हुआ, उससे बचने की जरूरत है, वहां शहर के दक्षिण-पूरबी सिरे पर एक आईटी कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव आया। लेकिन अमल से पहले प्रशासन ने पाया कि वहां तो पहले से गैर-नियोजित निर्माण हुआ पड़ा है। भविष्य के परिधि-नगरों की योजना बनाते वक्त सोच बृहद रखनी जरूरी है। उद्देश्य मिश्रित उपयोग जगह बनाने पर हो, जहां पर लोग रहें और रोजगार भी वहीं हो और उन्हें मुख्य शहर न जाना पड़े, जिससे सड़कों पर दबाव बनता है, जैसा कि मुंबई में है, जहां उप-नगरीय नागरिक कामकाज की खातिर घंटों का सफर करके मुख्य शहर आते हैं। मुंबई का बांद्रा-कुर्ला परिसर, कोलकाता का राजहाट और बेंगलुरु का व्हाइट फील्ड इलाका वह क्षेत्र हैं, जहां नए व्यावसायिक परिसर का निर्माण मुख्य शहर में सुधार उपायों पर आने वाली लागत के अंश में हो सकता है।

हमारे शहरों मे आबादी विस्फोटक रूप से बढ़ रही है, क्योंकि ग्रामीण अंचल के लोग बेहतर कमाई के लिए आकर बसते हैं। किंतु उन्हें अवैध मलिन बस्तियों में रहकर रोजगार तलाशना पड़ता है। सबसे बढ़िया और किफायती दीर्घकालीन हल नए शहर बनाना नहीं अपितु ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन है ताकि लोगों को जरा-सी बेहतर कमाई के लिए शहरों का रुख न करना पड़े। प्रवासियों की यह संख्या कितनी विकराल है, इसका पता कोविड महामारी के दौरान हुए अचानक लॉकडाउन में करोड़ों लोग गांवों की ओर निकलने पर लगा। सैकड़ों लोग किलोमीटर चलकर अपने-अपने गांव पहुंचे ताकि कम-से-कम भूख से तो नहीं मरेंगे, क्योंकि शहरों में तमाम उद्योग-धंधे बंद हो चुके थे और रहने का ठिकाना नहीं था। नए शहर बनाने की सोचने की बजाय उनकी मलिन बस्तियों का उद्धार करने का कम खर्चीला तरीका ढूंढना चाहिए, जैसा कि मुम्बई की धारावी झुग्गी बस्ती का धीमा पुनर्वास कार्य दर्शाता है, भूमि-विकास कार्य के लिए भूखंड व्यवसायियों को सौंपना कोई बहुत अच्छा विचार नहीं है।

ओडिशा की इन जगहों पर घूमने की बनाएं प्लानिंग

धौली हिल्स

यह हिल्स दया नदी के तट पर स्थित है। यह भुवनेश्वर से 8 किमी की दूरी पर स्थित है। इसे आमतौर पर धौली शांति स्तूप के रूप में जाना जाता है। यह पर्यटकों के बीच आकर्षण का केन्द्र है। आप यहां अशोक स्तंभ, बुद्ध प्रतिमा पार्क और कई चीज़ें देख सकते हैं।

ओडिशा घूमने के लिहाज से बहुत ही खूबसूरत राज्य है। इसकी राजधानी भुवनेश्वर को मंदिरों की नगरी कही जाती है। लेकिन आप यहां धार्मिक स्थलों के अलावा भी कई खूबसूरत जगहों को देख सकते हैं। वैसे तो ओडिशा पर्यटकों के बीच जगन्नाथ पुरी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन इसके अलावा भी इस राज्य में काफी कुछ देखने लायक हैं। आप यहां की प्राकृतिक सुंदरता को देखकर भी मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। इसके अलावा ओडिशा में ऐतिहासिक जगह भी मौजूद हैं। यहां घूमने के लिए दिलचस्प जगहों की कोई कमी नहीं है।

चिल्का झील

अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो इस झील को देखने जरूर जाएं। इसे देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। चिल्का झील पक्षी देखने वालों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक शानदार स्थल है। इसे एशिया की सबसे बड़े खारे पानी की झील के रूप में भी जाना जाता है।

लिंगराज मंदिर

यह भुवनेश्वर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भक्तों की साल भर भीड़ लगी रहती है। इस मंदिर में भगवान शिव के अलावा विष्णु की भी पूजा की जाती है। लिंगराज मंदिर के पवित्र शिखर में शिवलिंग स्वयं उत्पन्न हुआ। मंदिर का इतिहास लगभग 1 हजार साल पहले 11 वीं शताब्दी का है।

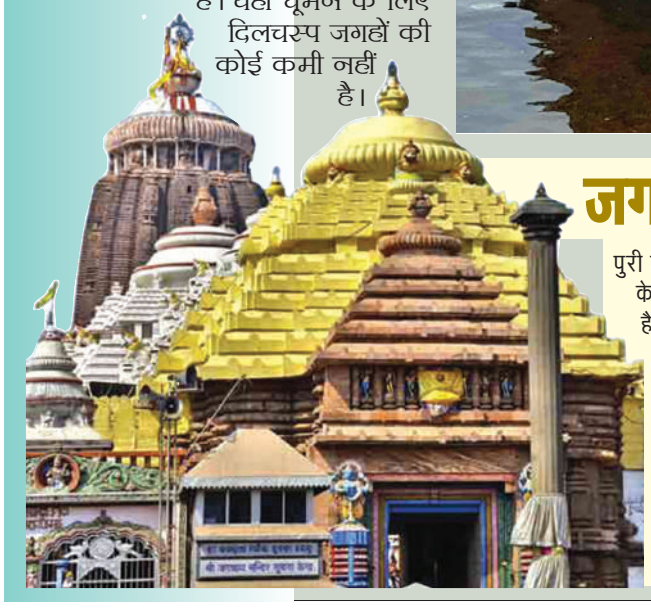

जगन्नाथ मंदिर

पुरी में स्थित, जगन्नाथ मंदिर भारत के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक है। यह हिंदू देवता भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ को समर्पित है। यह प्रसिद्ध रथ यात्रा उत्सव का स्थल भी है। भक्त भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लेने के लिए ओडिशा जरूर जाते हैं। यह मंदिर चार धाम यात्रा में भी शामिल है।

कोणार्क सूर्य मंदिर

इस प्राचीन मंदिर को देखने के लिए साल भर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। यह मंदिर सूर्य देवता को समर्पित है। आप प्राचीन मूर्तिकला से भी रू-ब-रू हो सकते हैं। जो हिंदू देवताओं के चित्र को प्रस्तुत करते हैं।

हंसना मना है

एक लड़की ने पिज्जा शॉप में जा कर पिज्जा आर्डर किया। वेटर- मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली- 4 पीस ही कर दो। 8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी।

इतवार के दिन बैंक कर्मचारी की बीबी उठो, जागो.. देखो मेरे मम्मी पापा आए हैं आदमी- उनको कहो लाइन में लगें, और आईडी साथ में रखें।

पैसे वाला आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 दूकान, 4 बंगले हैं ..तुम्हारे पास क्या है..? गरीब आदमी -मेरे पास 1 बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है?

एक बार एक आदमी जंगल में जा रहा था। अचानक शेर देखकर सांस रोककर जमीन में लेट गया। ये देख कर शेर आया और उसके कान में बोला!! सावन है बेटा , वरना सारी होशियारी निकाल देता।

साइकल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला- आप बहुत लकी हो आदमी- ओए, एक तो मुझे साइकल मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे? साइकल वाला- आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

कहानी — हाथी और रस्सी

एक दिन एक आदमी हाथियों के बाड़े से हो कर गुजर रहा था। बाड़े के नजदीक पहुंचकर उसने देखा की इतने विशालकाय हाथियों को ना तो पिंजर में रखा गया था ना ही इन्हें जंजीरों से बंधा गया था। उन्हें बस एक साधारण सी रस्सी से एक खूंटे में बंधा गया था। वह आदमी इस उलझन में था की इतनी साधारण सी रस्सी को ये हांथी कभी भी तोड़ कर भाग सकते हैं। पर ये विशालकाय हाथी भाग क्यों नहीं रहे? ये सवाल उस आदमी ने वहां के हाथी पालक से पूछा। हाथी पालक ने उस आदमी को जवाब दिया कि ये हाथी जब बच्चे थे तब भी रस्सी से बंधे होते थे। और बार-बार प्रयास करने के बाद भी इन विशायलकाय हाथियों से रस्सी नहीं टूटती थी। इसलिए अब बड़े होने के बाद भी इन विशायलकाय हाथियों को विश्वास हो गए है की ये रस्सी कभी नहीं टूट सकती। इस कारन वे कभी रस्सी तोड़ने की कोशिश ही नहीं करते है। हाथी पालक की बात सुनकर उस आदमी को समझ में आया कि ऐसा भी हो सकता है।

कहानी से सीख- देखा गया है कि अक्सर लोग विश्वास कर लेते हैं की उनसे ये काम नहीं होगा। पर हमारी झमता हमारे विश्वास से परे है। इसलिए हमें अपनी झमता को पहचान करके कार्य करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — खुद में बदलाव लाने के लिए आज का दिन अच्छा है। आपके व्यवहार से लोग काफी प्रभावित होंगे। आज भविष्य में पैसों को जमा करने का प्लान बनायेंगे।

वृषभ — आज आपके सहकर्मी समूह के मध्य आपकी लोकप्रियता में वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक रूप से चीजें सुचारू रहेंगी और आपको अच्छी प्रगति प्राप्त होगी।

मिथुन — आज आपको मेहनत का उचित परिणाम हासिल होगा। आपको अपनी बातों को सोसाइटी में सब के सामने रखने का पूरा मौका मिलेगा।

कर्क — आज आप में से कुछ लोगों को आपके व्यवसाय-साथी या किसी करीबी सहयोगी से समस्या हो सकती है। व्यवसाय से संबंधित यात्राएं वांछित परिणाम नहीं दे सकती हैं।

सिंह — आज आपका समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। घर की कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम से खुश रहेंगे।

कन्या — व्यावसायिक उन्नति के लिए दिन अच्छा है। नौकरीपेशा जातक पदोन्नति प्राप्त कर सकते हैं। आपको योग्य लोगों के साथ स्थायी दोस्ती बना सकते हैं।

तुला — आज आपके मन में कोई ऐसा तरीका आयेगा, जो आपके किसी खास काम को पूरा करेगा। ऑफिस में आज आपकी एक्टीविटी पर नजर रखी जा सकती है।

वृश्चिक — छात्रों के लिए यह एक अच्छा दिन है। छात्र प्रतियोगिताओं में अच्छा करेंगे और अपनी इच्छाओं के अनुरूप संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

धनु — आज आप जरूरी काम को निपटाने के लिए प्री-प्लानिंग करेंगे। समाज के मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज शाम तक किसी दोस्त के घर पर जायेंगे।

मकर — आज व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है। आपका पारिवारिक जीवन अशांति का सामना कर सकता है।

कुम्भ — आज आप किसी काम में माता-पिता की सलाह लेंगे। ये सलाह लाभकारी रहेगी। आज आपके मन में सामाजिक कार्य करने के लिए कई नए विचार आएगें।

मीन — आपके सहकर्मी समूह के मध्य आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। व्यावसायिक रूप से चीजें सुचारू रहेंगी और अच्छी प्रगति होगी। आपकी आमदनी बढ़ेगी।

बॉलीवुड | खुलासा

'दंगल' के हर एक सीन के लिए 120 बार रिहर्सल करते थे आमिर

आमिर खान को मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है, क्योंकि वह हर काम बेहद बारीकी से और अच्छे से करते हैं। फिल्मों में किरदार निभाने के लिए वह बहुत बारीकी से उस विषय पर काम करते हैं और रिसर्च करते हैं। अभिनेता अपने फिल्म और हर एक किरदार के लिए कई बार रिहर्सल करते हैं, साथ ही हर हर प्रोजेक्ट के लिए एक या दो साल देते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह पूरी तरह से किरदार में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर के दंगल के को-स्टार ने इस बारे में बात की है। दरअसल, आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल के को-स्टार शिशिर शर्मा ने अभिनेता के परफेक्शन का सबूत दिया है। अभिनेता शिशिर का दंगल में एक छोटा सा हिस्सा था और उन्होंने उस समय को याद किया, जब आमिर ने उन्हें एक कोने में ले जाकर कहा था कि हरियाणवी में बोलने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। आमिर खान ने शिशिर से कहा था कि यह आसानी से हर किसी के पास नहीं आता है, इसलिए इसका अभ्यास करना चाहिए। शिशिर ने कहा कि आमिर हर सीन का 120 बार रिहर्सल करते थे। उन्होंने कहा कि आमिर इतने प्रोफेशनलिज्म के साथ सेट पर आए और वह ऊर्जा उनके आसपास के लोगों सहित कैमरे के पीछे मौजूद लोगों में भी चली गई। दंगल के सेट पर आमिर और शिशिर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। वहीं, बात करें आमिर खान की फिल्म के बारे में तो उन्हें आखिरी बार लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। अभिनेता ने रिलीज के बाद कम से कम एक साल के लिए फिल्मों से ब्रेक लेने का फैसला किया। हालांकि, उन्होंने सलाम वेंकी में कैमियो रोल किया था।

रणवीर आलिया की 'रामायण' में 'रावण' बनने से यश का इनकार

रणबीर-आलिया की रामायण में रावण बनने को तैयार नहीं सुपरस्टार्स, ऋतिक के बाद यश का इनकार रामायण पर बन रही आदिपुरुष तो आजकल खूब चर्चा में है ही, लेकिन बॉलीवुड में पिछले काफी समय से रामायण पर बेस्ड एक और फिल्म पर काम चल रहा है। दंगल और छिछोरे जैसी फिल्में बना चुके नितेश तिवारी काफी समय से रामायण को बड़ी स्क्रीन के लिए एडाप्ट करने पर काम कर रहे हैं। फैन्स को पिछले दिनों तब गुड न्यूज मिली, जब रिपोर्ट्स आईं कि नितेश की रामायण में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आने वाले हैं।

इस प्रोजेक्ट को लेकर और भी धमाकेदार खबर तब आई जब रिपोर्ट्स में कहा गया कि मेकर्स ने अपने एपिक प्रोजेक्ट के लिए यश को भी अप्रोच किया है। रिपोर्ट्स में कहा गया कि मेकर्स ने यश को रावण के किरदार के लिए अप्रोच किया है। रावण का किरदार एक मुश्किल ऑनस्क्रीन कैरेक्टर माना जाता है और इस किरदार में यश जैसी जानदार शख्सियत की कास्टिंग सोचकर ही फैन्स को मजा आने लगा। ऊपर से एक खुशी ये भी थी कि बड़े पर्दे पर रणबीर वर्सेज यश फाइट देखने को मिलेगी। लेकिन लेटेस्ट रिपोर्ट्स की मानें तो फैन्स को अपनी इस एक्साइटमेंट पर लगान लगानी होगी।

बॉलीवुड | मसाला

ताजा रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यश ने नितेश तिवारी की रामायण में रावण का किरदार करने से इनकार कर दिया है। यश का ये फैसला फैन्स के लिए काफी सरप्राइज देने वाला है क्योंकि केएफजी 2 के बाद से उन्होंने अपना कोई नया प्रोजेक्ट अनाउंस नहीं किया है। ऐसे में रावण के रोल में उनके नजर आने की रिपोर्ट्स से जनता में भी एक एक्साइटमेंट थी। अब फैन्स को ये जानने की इच्छा और भी तगड़ी होगी कि यश आखिर अपना अगला प्रोजेक्ट कब अनाउंस करेंगे।

इस वजह से यश ने रिजेक्ट की रामायण

रिपोर्ट्स की मानें तो यश को नितेश तिवारी की स्क्रिप्ट तो बहुत पसंद आई थी, लेकिन उन्होंने जानबूझकर नेगेटिव रोल से थोड़ी दूरी रखी है।

बॉलीवुड सुपरस्टार रेखा टीवी पर फिर मारेंगी एंट्री

टीआरपी लिस्ट में बीते दो साल से छाए रहने वाले टीवी शो गुम हैं किसी के प्यार में के दर्शकों को यह शो इसलिए भी खास क्योंकि इसकी शुरुआत के समय में किरदारों और कहानी का परिचय किसी आम एक्टर ने नहीं बल्कि बॉलीवुड सुपरस्टार रेखा ने दिया था। जब भी यह शो ज्यादा ट्विस्ट में उलझा तब-तब रेखा हमें नजर आईं। अब जब शो में एक लंबा लीप आने वाला है और नई कहानी की शुरुआत होने वाली है तब एक बार फिर बॉलीवुड सुपरस्टार रेखा की दिलकश आवाज और उनकी दमदार उपस्थिति का दर्शक आनंद ले सकेंगे।

यह शो न केवल पुरानी पीढ़ी के लिए बल्कि युवा पीढ़ी के लिए भी एक क्लासिक और चर्चित शो रहा है। पेचीदा और खूबसूरत कहानी ने दर्शकों को अपने हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ उनकी टेलीविजन स्क्रीन से बांधे रखा है। दिग्गज अभिनेत्री रेखा स्टार प्लस के शो गुम हैं किसी के प्यार में विशेष उपस्थिति देंगी और यह स्टारप्लस के साथ उनका तीसरा जुड़ाव होगा। रेखा पहले सही स्टारप्लस और गुम हैं किसी के प्यार से जुड़ी हैं और जब दर्शकों ने उन्हें अपने टेलीविजन स्क्रीन पर देखा, तो वे उनके व्यक्तित्व और उनकी सदाबहार सुंदरता से मंत्रमुग्ध हो गए।

गुम हैं किसी के प्यार में के साथ रेखा का जुड़ाव शो के शुरू होने के बाद से हमेशा खास रहा है। बीते जमाने की खूबसूरत दिवा शो में एक विशेष उपस्थिति करने जा रही है और ऐसे में आप सभी की तरह हम भी उन्हें देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। गुम है किसी के प्यार में काफी इंटरेस्टिंग ट्विस्ट और टर्न आने वाला हैं। रेखा शो के नए कलाकारों का परिचय देंगी। यह शो अपने आप में एक विरासत रखता है और सई और विराट की विरासत को दर्शाने के लिए दिग्गज स्टार रेखा से बेहतर कौन हो सकता है?

अजब-गजब | इस देश की वर्टिकल फार्मिंग दुनियाभर में हो रही है लोकप्रिय

यहां जमीन पर नहीं दीवारों पर होती है खेती

गांव में हमें आज भी दूर-दूर तक खेत दिखाई देते हैं, लेकिन जैसे-जैसे हर जगह शहरीकरण हो रहा है वैसे-वैसे खेती भी कम होती जा रही है। शहरों में जगह की कमी के कारण लोग खेती के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं, जिनकी मदद से कम जगह में ही फार्मिंग की जा सकते हैं। आज तक आपने लोगों को जमीन पर ही खेती करते हुए देखा होगा, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जमीन पर नहीं बल्कि दीवारों पर खेती की जाती है। जी हां, ये सुनने में भले ही आपको अजीब लग रहा होगा, लेकिन ये सच है। इस देश में गेहूं और धान के साथ सब्जियां भी दीवारों पर ही उगाई जाती हैं। इस तकनीक को वर्टिकल फार्मिंग कहा जाता है, जो धीरे-धीरे दुनियाभर में लोकप्रिय हो रही है। आइए इसके बारे में अधिक जानते हैं...

आपको बता दें कि दीवार पर खेती यानी वर्टिकल फार्मिंग करने वाले देश का नाम इस्रायल है। खेती लायक जमीन की काफी कमी होने के कारण इस कमाल की तकनीक का इजाद किया गया है, जो इस्रायल के अलावा कई अन्य देशों को भी जमीन की कमी की समस्या से छुटकारा दिलाती है। बहुत सारी कंपनियां आज इस तकनीक के साथ खाद्य सामग्री का उत्पादन कर रही हैं। इस्रायल की एक कंपनी ग्रीनवॉल के संस्थापक पायोनिर गाइ बारनेस का कहना है कि, गूगल और फेसबुक जैसी

बड़ी कंपनियां भी उनके साथ जुड़ी हैं, जो इस्रायल में कई दीवारों पर वर्टिकल फार्मिंग तकनीक से खेती करने में सहयोग करती हैं। बहुत सारी कंपनियां आज इस तकनीक के साथ खाद्य सामग्री का उत्पादन कर रही हैं। इस्रायल की एक कंपनी ग्रीनवॉल के संस्थापक पायोनिर गाइ बारनेस का कहना है कि, गूगल और फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियां भी उनके साथ जुड़ी हैं, जो इस्रायल में कई दीवारों पर वर्टिकल फार्मिंग तकनीक से खेती करने में सहयोग करती हैं।

आइए अब जानते हैं कि आखिर वर्टिकल फार्मिंग कैसे होती है। दरअसल इस तकनीक के तहत गमलों में छोटे-छोटे यूनिट्स में पौधों को लगाया जाता है और फिर इन्हें वर्टिकल तरीके से दीवार पर लगाया जाता है। ऐसे में सुनिश्चित किया जाता है कि पौधे गमलों से या दीवार से गिरें न।

इन गमलों की सिंचाई के लिए भी विशेष तरह के प्रबंध किए जाते हैं। इसके अलावा अनाज उगाने के लिए कुछ समय के लिए यूनिट्स को दीवार से निकाला भी जाता है, लेकिन फिर बाद में गमलों को वापस दीवार पर लगा दिया जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस्रायल के अलावा अमेरिका, यूरोप और चीन में भी वर्टिकल फार्मिंग यानी दीवार पर खेती की तकनीक तेजी से फैल रही है। इस खेती से सबसे कमाल का फायदा ये होता है कि दीवार पर पौधे होने से घर का तापमान अधिक नहीं होता। साथ ही ये आसपास के वातावरण में भी नमी बनाए रखता है। आइए अब जानते हैं कि आखिर वर्टिकल फार्मिंग कैसे होती है। दरअसल इस तकनीक के तहत गमलों में छोटे-छोटे यूनिट्स में पौधों को लगाया जाता है और फिर इन्हें वर्टिकल तरीके से दीवार पर लगाया जाता है। ऐसे में सुनिश्चित किया जाता है कि पौधे गमलों से या दीवार से गिरें न।

नारियल के अंदर कहां से आता है पौष्टिक पानी कुदरत के इस चमत्कार पर उड़ जायेंगे होश

गर्मियों में लोगों के पसंदीदा ड्रिंक्स में से एक नारियल पानी भी है, जो न केवल तपती गर्मी में हमारी प्यास बुझाता है बल्कि ये स्वास्थ्य के लिहाज से भी हमारे लिए बेहद फायदेमंद होता है। आपने बहुत बार नारियल पानी पिया होता, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर इस नारियल के अंदर इतना पौष्टिक पानी आता कहां से हैं? आइए आज हम आपको बताते हैं कि पौष्टिक तत्वों वाला ये पानी आखिर नारियल के अंदर आता कैसे हैं। एक नारियल के पेड़ पर सौ से भी अधिक नारियल के फल आते हैं, सभी के अंदर लबालब पानी भरा रहता है। ये कोई साधारण पानी नहीं होता बल्कि इसे दुनिया का सबसे सेहतमंद पानी माना जाता है, जो काफी स्वादिष्ट और फायदेमंद भी होता है। आइए जानते हैं कि आखिर ये पानी नारियल के अंदर आता कैसे है...दरअसल नारियल के अंदर मौजूद जो पानी हम पीते हैं वह पौधे का एंडोस्पर्म वाला हिस्सा होता है। नारियल का पेड़ पानी को संग्रहित (कलेक्शन) करने के लिए अपने फलों का प्रयोग करता है। असल में यह पानी पेड़ की जड़ों से एकत्र करके फलों तक पहुंचाया जाता है। ये पानी कोशिकाओं के जरिए फलों के अंदर लाया जाता है। इस पानी में जब एंडोस्पर्म घुल जाता है तो यह गाढ़ा हो जाता है। एक कच्चे यानी हरे नारियल में एंडोस्पर्म न्यूक्लियर टाइप यानी रंगहीन तरल जैसा होता है। इसके बाद जब नारियल पकने लगता है तो इसका पानी भी सूखने लगता है और इंडोस्पर्म ठोस हो जाता है, ये सफेद हिस्सा खाने योग्य होता है। नारियल पानी पीने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। ये मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए रामबाण साबित होता है। साथ ही ये गुर्दे की पथरी को रोकने में भी काफी अहम भूमिका निभाता है। आप वर्कआउट के दौरान या इसके बाद भी नारियल पानी पी सकते हैं। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और एंटीऑक्सीडेंट आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा देते हैं। नारियल का पानी हाइड्रेशन के लिए भी काफी बढ़िया माना जाता है। ये बी विटामिन राइबोफ्लेविन (बी2), पैंटोथैनिक एसिड, नियासिन (बी 3), फोलिक एसिड, बायोटिन, के साथ थायमिन (बी 1), सोडियम, पोटेशियम और विटामिन सी से भरपूर होता है।

नाटक-नौटंकी का अब असर नहीं : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने पीएम मोदी के दौरे को लेकर कहा कि यहां पर आएं स्वागत है। सभी मैदान में आएं। हम भी मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि आज जनता और मतदाता बहुत समझदार हैं। वो जानते हैं और कोई नाटक नौटंकी से उन पर असर नहीं पड़ने वाला है। जबलपुर में हनुमान जी की गदा के प्रदर्शन पर बोले कि हनुमानजी की गदा लोकल लोगों ने लगाई थी। यदि हमने गदा लगाई तो क्यों किसी को परेशानी होती है?

» मोदी जी का मप्र में स्वागत है

कमलनाथ ने कहा कि आज प्रदेश की तस्वीर आप सबके सामने हैं। शिवराज सिंह और भाजपा सरकार गुमराह करने की राजनीति करती है। आज उन्हें बहनें याद आ रही हैं, कर्मचारी याद आ रहे हैं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता याद आ रहे हैं।

आज नौजवानों का भविष्य सुरक्षित नहीं है, संविधान पर खतरा बना हुआ है। हम सभी को संविधान का रक्षक बनना है। आने वाला समय आप सभी का है। भाजपा की गुमराह करने की राजनीति से बचकर रहना होगा।

बुलडोजर की कार्रवाई गलत

उन्होंने शिवराज सरकार पर जमकर कोसा है। उन्होंने दमोह के गंगा जमना स्कूल संचालक के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई को गलत बताया। कमलनाथ ने कहा कि बिना सही जांच के बुलडोजर चला देना बिलकुल गलत है। यह किस लक्ष्य से चलाया जा रहा है। क्या इसका सोर्स है। यह समझने वाली बात है। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला उलझा हुआ है। यह कार्रवाई किस लक्ष्य से हो रही है यह समझना जरूरी है।

भाजपा ने मंदिर-धर्म का ठेका लिया है

कमलनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रियंका गांधी को चुनावी हिंदू बताने पर कहा कि यह कुछ भी कहते हैं। इनको पेट में दर्द होता है। अगर हम पूजा करते हैं। अगर मैं मंदिर में जाता हूं, तो उनके पेट में दर्द होता है। क्यों इन्होंने मंदिर और धर्म का ठेका लिया हुआ है क्या? सीएम शिवराज के हायर सेकंडरी स्कूल के टॉपर्स बच्चों को स्कूटी देने की घोषणा पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार की दूसरी घोषणा होगी स्कूटी के अलावा हेलीकॉप्टर भी दूंगा।

कांग्रेस की ये मोहब्बत की दुकान है : शिवराज

यादव के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस नेता अरुण यादव द्वारा प्रधानमंत्री जी के स्वर्गीय पिता पर जो अभद्र टिप्पणी की गई है, वह उनकी स्तरहीन मानसिकता की प्रतीक है। यही कांग्रेसी कल्चर और इनकी मोहब्बत की दुकान है। सीएम ने कहा कि मोदी जी देश का मान और देशवासियों का स्वाभिमान हैं। कांग्रेस रसातल में जा रही है और जब देश के यशस्वी व लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी का सीधे मैदान में मुकाबला नहीं कर पा रही है, तो अभद्र और असभ्य भाषा पर उतर आई है।

मोदी जी के पिता भी आ जाएं तो भी कुछ नहीं होगा : अरुण यादव

भोपाल। विधानसभा चुनाव के पहले ही प्रदेश का सियासी पारा गर्मा गया है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी दौरे को लेकर उनके पिता स्व. दामोदर दास मोदी को लेकर विवादित बयान दे दिया। इसके बाद भाजपा नेता यादव पर भड़क उठे। उन्हें नसीहत देने के साथ ही कांग्रेस के संस्कारों को लेकर कड़ी निंदा व आलोचना की। दरअसल बुधवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी रहे बैजनाथ यादव, विनय यादव, मीरा सिंह ने भोपाल पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ले ली। कांग्रेस दफ्तर में हुए इस कार्यक्रम में सीएम कमलनाथ दिग्विजय सिंह और कांग्रेस नेता अरुण यादव ने उन सभी को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करवाई।

भाजपा नेता बैजनाथ समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका लगा है। सिंधिया समर्थक और शिवपुरी के भाजपा प्रदेश कार्यकारणी नेता बैजनाथ सिंह यादव अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय परिसर में आयोजित एक समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बैजनाथ यादव को पार्टी की सदस्यता दिलाई। बैजनाथ सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता भी उनके साथ कांग्रेस में शामिल हुए। वहीं, 15 से अधिक जनपद के सदस्यों ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का दामन थामा।

सोते समय झोपड़ी में लगी आग मां समेत पांच बच्चे जिंदा जले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। रामकोला कस्बे में झोपड़ी में आग लगने से एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जल गए। हादसे में मां व पांच बच्चों ने मौत हो गई। मृत बच्चों की आयु एक से 10 वर्ष के बीच में है। ये सभी आसपास सोए हुए थे।

कुशीनगर में दिल दहलाने वाली घटना

आग की घटना की जानकारी होते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए, लेकिन तब तक सभी दम तोड़ चुके थे। एसपी धवल जायसवाल ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग की इस घटना में पति सुरक्षित है, उसने भाग कर अपनी जान बचाई। रामकोला के वार्ड संख्या दो उर्दहा के नवमी प्रसाद रात 10 बजे भोजन कर पत्नी व बच्चों के साथ झोपड़ी में सो रहे थे। वार्ड के लोगों के अनुसार रात करीब एक बजे तेज आवाज होने पर नींद खुली तो नवमी की झोपड़ी जल रही थी। पुलिस व दमकल कर्मियों ने पहुंच कर आग में घिरे नवमी की पत्नी संगीता (38) पुत्र अंकित (10) पुत्री लक्ष्मीना (09) रीता (03) गीता (02) व बाबू (01) को बाहर निकाला। एंबुलेंस से इन्हें सीएचसी ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। लोगों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर सोए लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

उत्तर भारत में चार-पांच दिन झुलसाएगी गर्मी

» दोपहर में घर से बाहर न निकलने की मौसम विभाग की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चक्रवातीय तूफान बिपरजॉय के चलते गुजरात, मुंबई से लेकर केरल तक समंदर में तूफानी लहरें उठ रही हैं। तटीय इलाकों का मौसम भी बिल्कुल बदल गया है। दूसरी ओर उत्तर भारत के कई राज्यों में हीट वेव कहर बरप रही है। गर्मी का सितम ऐसा है कि लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि जरूरी हो तब ही बाहर निकलें। सुबह सात बजे से ही तेज धूप लोगों को चुभने लगी है। दिन चढ़ते ही ये धूप मानों झुलसाने वाली हो जाती है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश, पूर्वी और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत में अत्यधिक गर्म हवा चलने के आसार हैं। ये आलम अगले चार-पांच दिनों तक कायम रहेगा। मतलब अगले पांच दिनों तक उत्तर प्रदेश के लोगों को गर्मी से राहत मिलने की कम ही संभावना है। गर्मी का ये आलम उत्तर प्रदेश के अलावा ओडिशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में भी रहेगा।

फोटो : सुमित कुमार

पूर्वोत्तर भारत में भी बारिश की चेतावनी

पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में अगले पांच दिन भारी बारिश की चेतावनी है। 15 से 17 जून को मेघालय में अत्यधिक बारिश होने का अनुमान है। अगले पांच दिनों तक पूर्वी भारत के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ बिजली चमकने का अनुमान है। अगले पांच दिनों के बीच हल्की बारिश भी हो सकती है। वहीं, सब हिमालयन पश्चिम बंगाल, सिक्किम के कुछ इलाकों में अगले पांच दिनों तक बारिश का अनुमान है। 17 जून को अंडमान निकोबार में बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 14 और 15 जून को तेज हवाओं, चमक और गरज के साथ बारिश का अनुमान है। राजस्थान के भी कुछ इलाकों में 16 और 17 जून को बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर में 15 जून को हीट वेव की चेतावनी है। 16, 17 और 18 जून को भी गर्मी बरकरार रहेगी, हालांकि इस बीच आसमान में हल्के बादल भी हो सकते हैं। तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 42 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा।

टेस्ट गेंदबाजी में फिर चला जादू

विश्व में नंबर एक गेंदबाज बने अश्विन

» टेस्ट रैंकिंग : रोहित और विराट की पोजीशन बरकरार

» रहाणे 37वें व शार्दुल 94वें स्थान पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में नहीं खेलने के बावजूद अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये क्रमश: 12वें और 13वें स्थान पर स्थिर हैं। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 37वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 94वां स्थान हासिल किया।

बैंटिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा-विशेष उपलब्धि के तहत ऑस्ट्रेलिया के तीन बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष तीन स्थान पर काबिज हो गए हैं। मार्नस लाबुशेन शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि द ओवल में भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत के दौरान शतक जड़ने वाले स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड अगले दो स्थान पर हैं। स्मिथ के 885 जबकि हेड के 884 और चौथे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के 883 अंक हैं। एक ही टीम के तीन बल्लेबाजों का शीर्ष तीन पर होना बहुत कम देखने को मिलता है। टेस्ट रैंकिंग में ऐसा पिछली बार 1984 में हुआ था जब वेस्टइंडीज के गोर्डन ग्रीनिज (810 अंक), क्लाइव लॉयड (787 अंक) और लैरी गोम्स (773 अंक) शीर्ष तीन स्थान पर जगह बनाने में सफल रहे थे।

पंत 10वें स्थान पर

कार दुर्घटना में घायल होने के बाद उबर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 10वें स्थान के साथ भारतीय बल्लेबाजों के बीच शीर्ष पर हैं। स्पिनर रविंद्र जडेजा नौवें स्थान पर हैं। पिछला टेस्ट जुलाई 2022 में खेलने वाले चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो स्थान के नुकसान से आठवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी भी 11 स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 48 और नाबाद 66 रन की पारी खेली थी।

पंचायत चुनाव से पहले बंगाल में बवाल

परगना 24 जिले से लेकर कोलकाता तक में हिंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में पंचायत चुनाव का ऐलान होते ही हिंसा का दौर शुरू हो गया है। परगना 24 जिले से लेकर कोलकाता तक हिंसा की आग पहुंच चुकी है। खुद सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के नेता ही आपस में उलझते नजर आ रहे हैं, इससे निपटना अब सीएम ममता बनर्जी के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। उधर सीपीआई के एक कार्यकर्ता के मरने की खबर भी आ रही है। बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले बीते दो दिनों में जमकर हिंसा देखने को मिली है।

नामांकन को लेकर विपक्षी लगातार ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं। बीजेपी समेत आईएसएफ पार्टियों का आरोप है कि टीएमसी कार्यकर्ता नामांकन करने के लिए जा रहे लोगों के साथ मारपीट और बदसलूकी कर रहे हैं। वहीं हद तो तब हो गई जब दक्षिण परगना 24 जिले में टीएमसी के ही दो गुट आपस में भिड़ गए। यहां पुलिस के सामने ही टीएमसी कार्यकर्ताओं ने जमकर बमबाजी की। विपक्ष ने कहा सीएम के कंट्रोल में कुछ नही रह गया हैं।

विपक्ष ने ममता सरकार को घेरा

यह कोई पहली बार नहीं है कि बंगाल में हिंसा देखने को मिली है। बंगाल का पुराना रेकॉर्ड रहा है कि जब जब यहां पर चुनाव आते हैं तब तब हिंसा इसी तरह से देखने को मिलती रही है। इस तरह की घटनाओं के बाद विपक्ष ने ममता सरकार को घेरा है। विपक्ष का कहना है कि पिछले बंगाल विधानसभा चुनाव को ही उठाकर देख लीजिए, जहां रिजल्ट आते ही टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने हिंसा शुरू कर दी थी। इसमें विपक्षी नेताओं की हत्या जैसी घटनाएं भी शामिल हैं, जिनकी जांच और केस आज भी चल रहे हैं।

चीन के आगे झुकी मोदी सरकार एलएसी पर खोया अधिकार : खरगे

गलवान हिंसा के तीन साल पूरे होने पर जवानों को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गलवान में हुई इस घटना के तीन साल पूरे होने पर विपक्ष ने एक बार फिर मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि चीन के मामले पर सरकार ने लोगों को अंधेरे में रखा है। ज्ञात हो कि भारत-चीन सीमा के पास गलवान घाटी में तीन साल पहले कई भारतीय जवान शहीद हो गए थे। चीनी सैनिकों की घुसपैठ को रोकने के दौरान हुई इस घटना में दोनों तरफ से जवानों में जमकर झड़प हुई, जिसमें 20 भारतीय जवान शहीद हुए। वहीं कई चीनी सैनिकों के मारे जाने की भी जानकारी सामने आई।

गलवान घाटी में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्विटर पर लिखा, तीन साल पहले गलवान घाटी में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले 20 वीर जवानों को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि, मोदी सरकार की नाकामियों के चलते एलएसी पर इन तीन सालों में पूर्व यथास्थिति अब नहीं है, हम 65 में से 26 पेट्रोलिंग प्वाइंट पर अपना अधिकार खो चुके हैं।

वीर जवानों को नमन : प्रियंका

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के अलावा पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी शहीद जवानों को याद किया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, देश की रक्षा करते हुए गलवान घाटी में शहीद हुए सभी वीर जवानों को नमन, हम वीर जवानों की शहादत कभी नहीं भूलेंगे और इस सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा उनके ऋणी रहेंगे।

दिल्ली में कोचिंग सेंटर में भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में मुखर्जी नगर के एक कोचिंग सेंटर में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग को बुझाने के लिए दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं।

आग के बाद कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग से स्टूडेंट रस्सियों के सहारे उतरते दिख रहे हैं। मौके की तस्वीरें बहुत विचलित करने वाली हैं। राहत और बचाव का काम जारी है। और ब्यौरे की प्रतीक्षा है। दिल्ली का मुखर्जी नगर कोचिंग सेंटर हब है। यहां सिविल सर्विसेज से लेकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले तमाम कोचिंग सेंटर मौजूद हैं जहां देश के कोने-कोने से स्टूडेंट आते हैं।

उत्तराखंड में महापंचायत पर अड़े हिंदू संगठन

लोगों को पुलिस ने रोका, धारा-144 लागू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उत्तरकाशी/बड़कोट/नौगांव। महापंचायत रोकने को प्रशासन ने पुरोला को छावनी में तब्दील कर दिया है। पुरोला तहसील क्षेत्र में धारा-144 लागू कर दी गई है। वहीं आज नगरपालिका क्षेत्र, बड़कोट, नौगांव में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं।

उत्तरकाशी जिले की सीमाएं सील हैं, ड्रोन से नजर रखी जा रही है। उधर, व्यापारी और हिन्दू संगठनो से जुड़े लोगों को पुलिस ने नौगांव से एक किमी आगे रोक दिया है। कूच की सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी बड़कोट जितेंद्र कुमार पुलिस फोर्स के साथ पहुंच चुके थे।

पुलिस ने सभी को रोक दिया है, जबकि व्यापारी और हिन्दू संगठनों के लोग पुरोला जाने के लिए अड़े हुए हैं। उपजिलाधिकारी सभी को समझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लोग यहां नारेबाजी कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट से लगा था झटका

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स के सदस्य अधिवक्त। शाहरुख आलम ने बुधवार को पुरोला में हिंदुवादी संगठनों की महापंचायत व संप्रदाय विशेष के लोगों को 15 जून तक शहर छोड़ने के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता को पहले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने को कहा।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार से मांगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना हाईकोर्ट ने भागलपुर जिले में गंगा नदी पर निर्माणाधीन चार लेन के सुल्तानगंज-अगुवानी घाट पुल ढहने के मामले में राज्य सरकार से कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) मांगी।

न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह की पीठ ने ललन कुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए निर्माण फर्म, मेसर्स एस.पी. सिंगला कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को मामले में सुनवाई की अगली तारीख, 21 जून को, अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।

अतीक के करीबियों के ठिकानों पर ईडी का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करोड़ों के निवेश का खुलासा

लखनऊ। माफिया अतीक अहमद के दो दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापे मारकर शेल कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए संपत्तियों में निवेश करने के प्रमाण जुटाए है। प्रयागराज, लखनऊ, नोएडा और दिल्ली में अतीक से जुड़े कुछ रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर पहुंची टीमों ने तमाम बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए है।

ईडी के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।सूत्रों की माने तो प्रयागराज के दो नामचीन बिल्डर भी छापे की जद में आए हैं। दोनों कई सालों से अतीक से जुड़े रहे हैं, जिसकी पुष्टि दो माह पूर्व अतीक के कुछ करीबियों के ठिकानों पर ईडी के छापों में मिले कुछ संपत्तियों के दस्तावेजों से हुई थी। जांच में अतीक और उनके बीच हुए लेन-देन के पुख्ता साक्ष्य मिलने पर छापा मारा गया है। प्रयागराज में ही दर्जन भर ठिकानों पर छापे मारे गए हैं। इसी तरह अतीक ने नोएडा और दिल्ली की बेशकीमती संपत्तियों में निवेश किया था।

अमृतपाल के करीबी अवतार सिंह खांडा की बर्मिंघम में मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ब्रिटेन में रह रहे खालिस्तानी समर्थक और अमृतपाल को गाइड करने वाले अवतार सिंह खांडा की बर्मिंघम के अस्पताल में मौत हो गई है। खांडा आईसीयू में लाइफ सपोर्ट पर था, पिछले कुछ दिनों से उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। जिसके बाद उसने देर रात दम तोड़ दिया। पिछले हफ्ते अवतार सिंह खांडा को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अवतार सिंह खांडा वही शख्स था, जिसे लंदन में भारतीय दूतावास पर लगे तिरंगे को उतारने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद लंदन में खांडा ने प्रदर्शन बुलाए और उसका नेतृत्व किया।

अवतार सिंह खांडा लंदन में भारतीय दूतावास पर हुए हमले का मुख्य आरोपी था। इसके बाद एनआईए लगातार उसे भारत लाने की कोशिश में जुटा था। खांडा एनआईए की वांटेड लिस्ट में शामिल था। अमृतपाल से पहले 'वारिस पंजाब दे' संगठन को चलाने वाले दीप सिद्धू से भी खांडा की काफी अच्छी बातचीत थी। दोनों की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।